ये अव्यक्त इशारे

ज्वालामुखी योग तपस्या द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन करो

30-08-2023

कई बच्चे कहते हैं कि जब योग में बैठते हैं तो आत्म-अभिमानी होने के बदले सेवा याद आती है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि लास्ट समय अगर अशरीरी बनने की बजाए सेवा का भी संकल्प चला तो सेकण्ड के पेपर में फेल हो जायेंगे। उस समय सिवाय बाप के, निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी -और कुछ याद नहीं। सेवा में फिर भी साकार में आ जायेंगे इसलिए जिस समय जो चाहे वह स्थिति हो नहीं तो धोखा मिल जायेगा।

Transform the atmosphere with volcanic yoga tapasya.

Many children say that, when they sit in remembrance, instead of becoming soul conscious, they think about service. This is wrong, because if, instead of becoming bodiless in the final moments, you think about service, you would fail that paper of a second. At that time, you must only remember the Father and your incorporeal, viceless and egoless stage, nothing else! By thinking of service, you remain in the corporeal form. When you can't have the stage you should have whenever you want, you will be deceived.